

दानिय्येल की पुस्तक - संख्या इक्यानवे

भविष्यवाणी की नदी का अनावरण: डैनियल के दर्शनों की गतियों के बीच के संबंधों के माध्यम से एक यात्रा

Jeff Pippenger

2024-02-24

पहले स्वर्गदूत के आंदोलन में जिसकी मुहर खोली गई थी, वह ज्ञान दानिय्येल की पुस्तक में ऊलाई नदी के दर्शन द्वारा प्रस्तुत किया गया है। वह दर्शन दानिय्येल के अध्याय सात, आठ और नौ का प्रतिनिधित्व करता है, और तीसरे स्वर्गदूत के आंदोलन में जिसकी मुहर खोली गई थी, वह ज्ञान हिदेकेल नदी के दर्शन द्वारा दर्शाया गया है, जो अध्याय दस, ग्यारह और बारह का प्रतिनिधित्व करता है। इन दोनों आंदोलनों के बीच अनेक संबंध हैं। 1863 के विद्रोह से 1989 में अन्त के समय तक के एक सौ छब्बीस वर्षों द्वारा ये दोनों आंदोलन परस्पर जुड़े हुए हैं।

प्रत्येक आंदोलन में 'अंत के समय' के दोनों काल, लैव्यव्यवस्था छब्बीस के 'सात बार' से चिह्नित हैं। मूर्तिपूजा और फिर पापत्व ने 1798 में आए 'अंत के समय' तक पवित्रस्थान और सेना को रौंद डाला था। 1863 के विद्रोह से 1989 तक, यहजेकेल के आठवें अध्याय की चार घृणित बातों द्वारा दर्शाए गए रूप में एक आध्यात्मिक पददलन हुआ था।

प्रथम आक्रोश के अंत से लेकर 1844 में अंतिम आक्रोश के अंत तक के छियालीस वर्षों का काल—जिस दौरान मसीह ने एक आध्यात्मिक मंदिर स्थापित किया, जिसमें वह 22 अक्टूबर, 1844 को अचानक आ उपस्थित हुआ—1989 में अंत के समय से लेकर शीघ्र आने वाले रविवार के कानून तक के काल के समानांतर है; इस काल में मसीह एक बार फिर एक आध्यात्मिक मंदिर स्थापित कर रहा है, जिसमें वह प्रकाशितवाक्य अध्याय ग्यारह के महान भूकंप की घड़ी में अचानक आ पहुँचेगा।

जब 1844 में तीसरा स्वर्गदूत आया, तो वाचा का दूत लेवी के पुत्रों को शुद्ध करने के लिए अचानक प्रकट हुआ, परन्तु 1863 तक वे अविश्वासी लेवी एलियाह के द्वारा पहुँचाए गए मूसा के संदेश को ठुकराकर मरुभूमि में भटकने लगे। उस परीक्षण-प्रक्रिया में "निर्माता" अन्ततः "सात समय" के "कोने के पत्थर" को अस्वीकार कर देंगे, और फिर फ़िलाडेल्फ़िया के आंदोलन से लाओदीकिया की कलीसिया की ओर स्थानांतरित हो जाएंगे। अन्त के दिनों में, जब वाचा का दूत शीघ्र आने वाले रविवार के कानून के समय अचानक अपने मंदिर में आएगा, वह अपनी अन्य भेड़ों को बुलाने के लिए विश्वासयोग्य लेवियों का उपयोग करेगा। अन्त के दिनों के विश्वासयोग्य लोग लाओदीकिया की "कलीसिया" से "फ़िलाडेल्फ़िया" के "आंदोलन" में स्थानांतरित हो चुके होंगे।

पहले स्वर्गदूत के आंदोलन ने किंग जेम्स बाइबल के प्रकाशित होने के दो सौ बीस वर्ष बाद अपना औपचारिक रूप से निरूपित संदेश प्रकाशित किया, और तीसरे स्वर्गदूत के आंदोलन ने स्वतंत्रता की घोषणा के प्रकाशित होने के दो सौ बीस वर्ष बाद अपना औपचारिक रूप से निरूपित संदेश प्रकाशित किया। दोनों आंदोलनों के औपचारिक रूप से निरूपित संदेश को इस्लाम की एक भविष्यवाणी की पूर्ति द्वारा सशक्त किया गया, जिसे एक स्वर्गदूत के उतरने से चिन्हित किया गया था। स्वर्गदूत का आगमन हबक्कूक अध्याय दो के "विवाद" की शुरुआत को चिन्हित करता है, और हबक्कूक की पट्टिकाओं के प्रकाशन का कारण बना।

हबक्कूक की तालिकाओं द्वारा निरूपित सशक्त संदेश एक निराशा तक ले गया, जिसने प्रतीक्षा-काल का आरंभ किया, जो मध्यरात्रि की पुकार के संदेश तक पहुँचा, और जो उसी संदेश की पूर्ति के साथ समाप्त हुआ। इन दोनों आंदोलनों के बीच विद्यमान समानताएँ उन लोगों के लिए निर्णायक प्रमाण हैं जो देखने का चुनाव करते हैं कि मिलरवादी इतिहास के सभी तत्व एक लाख चवालीस हज़ार के इतिहास से जुड़े हुए हैं और उसमें दोहराए जाते हैं। अंतिम वर्षा की समयावधि का प्रतिरूप मिलरवादी आंदोलन में मिलता है, और उसकी पूर्ति Future for America के आंदोलन में होती है। बार-बार प्रेरणा सुनने के इच्छुकों को यह बताती है कि केवल वे ही अंतिम वर्षा को प्राप्त करेंगे

जो उसे पहचानते हैं।

पश्चात् वर्षा का काल, उसका आंदोलन और उसका संदेश—ये सभी मिलराइट्स के इतिहास में दर्शाए गए हैं, और "recognize" शब्द का अर्थ है किसी ऐसी चीज़ को देखना जिसे आप पहले भी देख चुके हों। पश्चात् वर्षा के काल, आंदोलन और संदेश को देखने का एकमात्र तरीका यह पहचानना है कि उसे मिलराइट इतिहास में उदाहरण रूप में प्रस्तुत किया गया है। इसे अन्य पवित्र सुधार आंदोलनों में भी उदाहरण देकर दिखाया गया है। मिलराइट आंदोलन एक आरंभिक आंदोलन था जो एक समापन आंदोलन का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए उसके पास पहले के सुधार आंदोलनों की तुलना में कहीं अधिक प्रत्यक्ष संदर्भ हैं। इस पर अल्फा और ओमेगा का चिह्न भी है, जो सदैव किसी बात के अंत को उसकी शुरुआत द्वारा दर्शाता है।

मिलराइट आंदोलन में आधार स्थापित किए गए, और केंद्रीय स्तंभ दानिय्येल अध्याय आठ के पद तेरह और चौदह थे। मुझे पता है कि बहन व्हाइट पद चौदह को केंद्रीय स्तंभ और आधार के रूप में पहचानती हैं, पर वास्तविकता यह है कि पद चौदह, पद तेरह के प्रश्न का उत्तर है। जो प्रश्न उत्तर को जन्म देता है, उसे समझे बिना उत्तर खोखला होता है। पद तेरह रौंदे जाने के उस दर्शन की पहचान करता है जिसे दो उजाड़ने वाली शक्तियाँ अंजाम देती हैं, और पद चौदह वह दर्शन है जिसमें मसीह उस पवित्रस्थान और सेना को बहाल करते हैं जिन्हें रौंदा गया था। ये दोनों दर्शन संदर्भ, व्याकरण और पलमोनी, अद्भुत गणनकर्ता, के द्वारा प्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं।

विलियम मिलर का उपयोग उन आधारभूत सत्यों की पहचान के लिए किया गया, जो दानिय्येल अध्याय आठ, पद तेरह और चौदह हैं। पहला रत्न जो उन्होंने खोजा वह "सात समय" था, जो पद तेरह के रौंदे जाने का प्रतिनिधित्व करता है; और जिस रूपरेखा पर उन्होंने अपनी समस्त भविष्यद्वाणी-संबंधी संरचना खड़ी की, वह पद तेरह में निरूपित "दो उजाड़ने वाली शक्तियाँ" की विषय-वस्तु थी। मिलर ने सही ढंग से पहचाना कि पद तेरह की "नित्य" घृणिता मूर्तिपूजकता थी, और उजाड़ने की अधर्मता पोपतंत्र थी। इस अर्थ में मिलर की रूपरेखा की वास्तविक "नींव", और नींव तथा केंद्रीय स्तंभ की "नींव", यह समझ थी कि अध्याय आठ का "नित्य" मूर्तिपूजकता का प्रतिनिधित्व करता है। मिलेराइट इतिहास में ज्ञान की वृद्धि की नींव यही थी कि दानिय्येल अध्याय आठ का "नित्य" मूर्तिपूजकता था, और प्रेरणा ने सावधानी से यह पहचाना कि "जिन्होंने न्याय-घड़ी की पुकार दी, उनके पास 'नित्य' के विषय में सही दृष्टिकोण था।"

1989 में 'अंत के समय' पर 'ज्ञान में वृद्धि' के रूप में जो प्रकाश प्रस्तुत किया गया, उसकी नींव 'दैनिक' भी है। यह बस एक और दिव्य समानांतर है। दानिय्येल ग्यारह के अंतिम छह पदों में जो 'ज्ञान में वृद्धि' दर्शाई गई है, उसे पहचानने के लिए एलेन वाइट की रचनाओं का अनुप्रयोग आवश्यक है। अपनी रचनाओं में वह बताती हैं कि दानिय्येल ग्यारह के पद 31 का इतिहास दानिय्येल ग्यारह के अंतिम पदों में दोहराया जाएगा। उस प्रेरित संकेत के बिना, पद 31 के समानांतर इतिहास को पद 40 और 41 के साथ समझना कहीं अधिक कठिन कार्य होता।

दानियेल की पुस्तक में "daily" पगानवाद का प्रतिनिधित्व करता है और मिलराइट्स के लिए नींव की नींव है, और यह एक लाख चवालीस हज़ार के आंदोलन के संदेश की भी नींव है। यह वह सत्य भी है जिसे जानबूझकर एक "झूठ" के द्वारा विकृत कर त्रुटि बना दिया गया था; यह "झूठ" लाओदीकियन एडवेंटिज़्म की तीसरी पीढ़ी में घुसाया गया, जिसका निरूपण यहजेकेल अध्याय आठ में "तम्मूज़ के लिए रोती हुई स्त्रियाँ" की तीसरी घृणित बात द्वारा, और तीसरी कलीसिया पर्गामोस द्वारा दर्शाए गए समझौते द्वारा किया गया था।

अंतिम वर्षा के समय "the daily" को एक मुद्दे के रूप में रखने के पीछे जो दैवीय मार्गदर्शन है, वह पूर्णतः विस्मयकारी है और मानवीय गढ़त की संभावना से परे है। लाओदिकियाई एडवेंटवाद की चौथी पीढ़ी को सूर्य के आगे झुकते हुए चित्रित किया गया है, और इस प्रकार यह पशु के चिह्न को स्वीकार करने का प्रतिनिधित्व करता है। बहन व्हाइट बताती हैं कि उस चिह्न को ग्रहण करना, पशु की वही मनोवृत्ति अपनाना है, और जो विरोधी मसीह के अर्थ पर भ्रमित हो जाते हैं, वे अंततः अधर्म के मनुष्य की ओर जा पड़ेंगे। यह सब यहजेकेल अध्याय आठ में येरूशलेम के बुजुर्ग पुरुषों द्वारा प्रतीकित है।

तीसरी और चौथी पीढ़ी तक परमेश्वर उन लोगों का न्याय करता है जो उससे घृणा करते हैं, और जब दूसरी श्रेणी परमेश्वर की स्वीकृति की मुहर प्राप्त कर रही होती है, उसी समय वह न्याय लागू किया जाता है। पवित्र शास्त्र का वही खंड जिसने विलियम मिलर को यह पहचानने के लिए आवश्यक प्रकाश दिया कि दानियेल की पुस्तक में "नित्य" के रूप में जिसका प्रतिनिधित्व किया गया है, वह मूर्तिपूजक रोम है, वही खंड "अधर्म का मनुष्य" की सबसे प्रत्यक्ष पहचान भी प्रस्तुत करता है, जिसके सामने यहजेकेल अध्याय आठ में प्राचीन पुरुष झुकते हैं। यह अध्याय दूसरी उजाड़ करने वाली शक्ति के पोप की पहचान करता है, और साथ ही पहली उजाड़ करने वाली शक्ति की मूर्तिपूजा की भी पहचान करता है। और उस खंड का मुख्य सत्य मूर्तिपूजक रोम की भूमिका है, जिसे 2 थिस्सलुनीकियों में उस शक्ति के रूप में पहचाना गया है जो 538 तक पापाइ सत्ता को सिंहासन पर बैठने से रोकती है।

"दैनिक", जो मिलर का आधारभूत सत्य था और जिसने उसे पवित्रस्थान और सेना को रौंदने वाली दो उजाड़ने वाली शक्तियों के आधार पर भविष्यवाणी का एक ढाँचा तैयार करने में सक्षम बनाया, वही वह सत्य है जिसे पौलुस ने उस सत्य के रूप में पहचाना है जिसे अस्वीकार किया जाता है, और जो अंतिम दिनों में उसी सत्य से प्रेम न करने वालों पर प्रबल भ्रम लाता है। समांतर इतिहासों के अनुरूप, वही सत्य, जो आधारभूत सत्य ही है, ने Future for America को अंतिम दिनों में होने वाले अंतिम त्रि-गठबंधन के विषय में भविष्यवाणी का एक ढाँचा तैयार करने में सक्षम बनाया।

केवल इतना ही नहीं, बल्कि वही मौलिक सत्य, जो दोनों समानान्तर इतिहासों का आधारभूत सत्य है, उसे "झूठ" बना दिया गया है; वही "झूठ" मूलभूत भ्रांति और पौलुस के "प्रबल भ्रम" में बदल जाता है—उस झूठी "अंतिम वर्षा" के "शान्ति और सुरक्षा" संदेश के ढाँचे के लिए, जिसे वे पुरुष प्रचारित करते हैं जो फिर कभी अपनी आवाज़ नहीं उठाएँगे और परमेश्वर के लोगों को उनके अपराध नहीं दिखाएँगे। "नित्य" पहले और तीसरे दोनों स्वर्गदूतों के आंदोलन की नींव का प्रतिनिधित्व करता है, और जब लाओदीकिया के विद्रोहियों ने उसके अर्थ को उलट दिया—शैतानी प्रतीक को मसीह के प्रतीक के रूप में पहचान कर—तो वह झूठा प्रतीक झूठी अंतिम वर्षा के नकली संदेश की नींव बन गया।

ठहरो, और चकित होओ; चिल्लाओ, और पुकारो: वे मतवाले हैं, पर दाखरस से नहीं; वे लड़खड़ाते हैं, पर मदिरा से नहीं। क्योंकि प्रभु ने तुम पर गहरी नींद की आत्मा उंडेल दी है, और तुम्हारी आँखें बंद कर दी हैं; भविष्यद्वक्ताओं और तुम्हारे प्रधानों, द्रष्टाओं को उसने ढक दिया है। और समस्त दर्शन तुम्हारे लिए उस मुहरबंद पुस्तक के वचनों के समान हो गया है, जिसे लोग किसी विद्वान को देकर कहते हैं, कृपया इसे पढ़ो; पर वह कहता है, मैं नहीं पढ़ सकता, क्योंकि यह मुहरबंद है। और वह पुस्तक किसी अनपढ़ को दी जाती है, और कहा जाता है, कृपया इसे पढ़ो; पर वह कहता है, मैं अनपढ़ हूँ। तब प्रभु ने कहा, इसलिए कि यह प्रजा मुँह से मेरे निकट आती है और होठों से मेरा आदर करती है, पर उनका मन मुझ से दूर कर रखा है, और जो भय वे मुझ से मानते हैं, वह मनुष्यों के उपदेश से सिखाया हुआ है; इसलिए, देखो, मैं इस प्रजा के बीच एक अद्भुत काम करूँगा—एक अद्भुत काम और आश्चर्य—क्योंकि उनके बुद्धिमानों की बुद्धि नाश होगी, और उनके समझदारों की समझ छिपा दी जाएगी। हाय उन पर जो अपनी युक्ति प्रभु से छिपाने के लिए गहराई में जाते हैं, और उनके काम अँधेरे में होते हैं, और वे कहते हैं, कौन हमें देखता है? और कौन हमें जानता है? निश्चय ही तुम्हारी उलट-पलट को कुम्हार की मिट्टी के समान माना जाएगा; क्या कृति अपने बनाने वाले के विषय में कहेगी, उसने मुझे नहीं बनाया? या गढ़ी हुई वस्तु अपने गढ़ने वाले के विषय में कहेगी, उसमें समझ नहीं थी? यशायाह 29:9-16.

सभी भविष्यद्वक्ताओं ने अंतिम दिनों के बारे में कहा है, और 'the daily' के अर्थ को उलट देने के लिए खुलकर झूठ बोलना, अक्षम्य पाप की परिभाषा का करीबी अनुकरण करता है। किसी व्यक्ति को सदा के लिए खोया हुआ ठहरा देना अन्य मनुष्यों के प्रति मनुष्यों की क्षमता या नैतिक अधिकार से परे है, लेकिन यहाँ जिसकी पहचान की जा रही है, वह यह नहीं है।

यशायाह में वे लोग जो चीज़ों को उलट-पुलट कर देते हैं—जो वस्तुतः उसी बात का दूसरा रूप है जिसे यशायाह कहीं और 'अंधकार को प्रकाश कहना या प्रकाश को अंधकार कहना' के रूप में पहचानता है—उन्हें, जब उनके अंतिम

न्याय का चित्रण किया जा रहा होता है, यरूशलेम पर शासन करने वाले वृद्ध पुरुषों के रूप में पहचाना जाता है।

हाय उन पर जो बुरे को भला, और भले को बुरा कहते हैं; जो अन्धकार को प्रकाश और प्रकाश को अन्धकार ठहराते हैं; जो कड़वे को मीठा और मीठे को कड़वा बताते हैं! हाय उन पर जो अपनी ही दृष्टि में बुद्धिमान, और अपने ही विचार में समझदार हैं! हाय उन पर जो दाखमधु पीने में पराक्रमी हैं, और बलवती मदिरा मिलाने में शूरवीर पुरुष; जो घूस लेकर दुष्ट को निर्दोष ठहराते हैं, और धर्मी से उसकी धर्मिता छीन लेते हैं! इस कारण जैसे आग पराली को भस्म कर देती है, और ज्वाला भूसी को निगल जाती है, वैसे ही उनकी जड़ सड़न बन जाएगी, और उनका फूल धूल बनकर उड़ जाएगा; क्योंकि उन्होंने सेनाओं के यहोवा की व्यवस्था को फेंक दिया है, और इस्राएल के पवित्र के वचन को तुच्छ जाना है। इस कारण यहोवा का क्रोध उसकी प्रजा पर भड़क उठा है, और उसने उन पर अपना हाथ बढ़ाया और उन्हें मारा है; और पहाड़ियां काँप उठीं, और उनकी लार्शें सड़कों के बीच में चिथड़े-चिथड़े होकर पड़ी रहीं। फिर भी इन सब से उसका क्रोध फिरा नहीं, वरन् उसका हाथ अब भी फैला हुआ है। और वह दूर देशों की जातियों के लिए एक ध्वज उठाएगा, और पृथ्वी के छोर से उन्हें बुलाने को सीटी बजाएगा; और देखो, वे वेग से शीघ्र आ जाएंगे। यशायाह 5:20-26.

परमेश्वर का ध्वज (एक लाख चवालीस हजार) शीघ्र आने वाले रविवार के कानून के समय ध्वज के रूप में ऊँचा किया जाता है, और उसी समय "प्रभु का क्रोध अपने लोगों के विरुद्ध भड़क उठता है", और वह "उनके विरुद्ध अपना हाथ बढ़ाता है", और "उन्हें मारता है", और "उनकी लार्शें सड़कों के बीचोबीच टुकड़े-टुकड़े कर दी जाएँगी।" "सड़कों का मध्य" यरूशलेम की सड़कें हैं, जब यहजेकेल अध्याय नौ के विनाशक स्वर्गदूतों को यह आज्ञा दी जाती है कि वे निकलें "और मारो: तुम्हारी आँख न छोड़े, न दया करो: बूढ़े और जवान, दोनों कुँवारियाँ और छोटे बच्चे और स्त्रियाँ — सबको पूरी तरह मार डालो; पर जिस किसी पर चिन्ह हो उसके पास न जाना; और मेरे पवित्रस्थान से आरम्भ करो। तब वे उन प्राचीन पुरुषों से आरम्भ करने लगे जो घर के सामने थे।" यहजेकेल के "प्राचीन पुरुष", जिनके विषय में बहन व्हाइट कहती हैं कि वे वे थे जिन्हें लोगों के रक्षक होना था, वही यशायाह के "एप्रैम के मतवाले" हैं जो अध्याय अट्ठाईस और उनतीस में "सब कुछ उलटा-पुलटा कर देते हैं।"

अध्याय पाँच में, उनका वर्णन उन लोगों के रूप में किया गया है जो "दाखमधु पीने में पराक्रमी हैं, और मजबूत मदिरा मिलाने में बलवान पुरुष: जो प्रतिफल के लिए दुष्टों को निर्दोष ठहराते हैं।" पुस्तक Questions on Doctrine के प्रकाशन के साथ, प्राचीन जनों ने धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद के प्याले से पिया, और धर्मी ठहराए जाने के उस झूठे सुसमाचार को प्रस्तुत किया, जो दावा करता है कि मनुष्य पवित्र नहीं किए जा सकते, कि मसीह हमारे स्थानापन्न हैं, पर हमारे आदर्श नहीं। ऐसा करते हुए, उस पुस्तक ने दुष्टों को धर्मी ठहराया, इस प्रतिफल के लिए कि उसे धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद की गिरी हुई कलीसियाओं के बीच स्वीकार कर लिया जाए। यह खंड उनके अंतिम न्याय की पहचान करता है, और उस न्याय का कारण यह है कि उन्होंने "इस्राएल के पवित्र के वचन का तिरस्कार किया।" उन्होंने ऐसा "the daily" की उस समझ को अस्वीकार करके किया, जिसे न्याय-घड़ी की पुकार देने वालों ने प्रस्तुत किया था, और धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद के प्याले से पीकर।

उस अंश में वे मीठे को कड़वा और कड़वे को मीठा बना देते हैं। जब स्वर्गदूत उतरता है, तब उसके हाथ में जो संदेश होता है, वह मीठा होता है, परन्तु उस संदेश का निष्कर्ष कड़वा है। वे यह तर्क देते हैं कि स्वर्गदूत के उतरते ही जो सच्चा अंतिम वर्षा का संदेश आरंभ होता है, वह कड़वा है, और निष्कर्ष में वे एक मीठा, झूठा शांति और सुरक्षा का संदेश पहचानते हैं, क्योंकि चीजों को उल्टा-पुल्टा करने से वे स्वयं को रोक नहीं पाते।

यह पाप जिस पद्यांश में प्रस्तुत है, वह उनके सामूहिक अनुग्रह के समय के अंत में आता है। इसलिए, यह उचित है कि मूर्तिपूजा के शैतानी कार्य को मसीह का कार्य ठहराने का उनका कर्म अक्षम्य पाप का एक भविष्यसूचक समानांतर है, अर्थात् पवित्र आत्मा के कार्य को शैतान का कार्य ठहराना। 'झूठ' को एडवेंटवाद की तीसरी पीढ़ी में रख देना उनके झूठे 'पश्चात वर्षा' संदेश के लिए आधार प्रदान कर गया, और अंततः उन्हें एक प्रबल भ्रम में डाल देता है। वही पद्यांश, जहाँ मिलर ने 'नित्य' का सही अर्थ समझा, वहीं उन्हें परास्त होते हुए दर्शाया गया है।

किसी भी रीति से कोई तुम्हें धोखा न दे; क्योंकि वह दिन तब तक नहीं आएगा, जब तक पहले धर्मत्याग न हो जाए और पाप का मनुष्य, विनाश का पुत्र, प्रकट न हो जाए; जो विरोध करता है और अपने आप को हर एक उस से ऊपर उठाता है जिसे परमेश्वर कहा जाता है या जिसकी पूजा की जाती है, यहां तक कि वह परमेश्वर के मंदिर में परमेश्वर के समान बैठकर अपने आप को परमेश्वर ठहराता है। क्या तुम याद नहीं करते कि जब मैं तुम्हारे साथ था, तब मैंने तुम्हें ये बातें बताई थीं? और अब तुम जानते हो कि क्या उसे रोक रहा है, ताकि वह अपने समय पर प्रकट हो। क्योंकि अधर्म का भेद तो अब भी काम कर रहा है; केवल जो अब रोक रहा है, वह तब तक रोके रहेगा जब तक वह बीच से हटाया न जाए। और तब वह अधर्म प्रकट होगा, जिसे प्रभु अपने मुख की सांस से नाश करेगा और अपने आगमन की चमक से नष्ट कर देगा। उसका आगमन शैतान के काम के प्रभाव के अनुसार होगा, सब प्रकार की सामर्थ्य, चिन्हों और झूठे चमत्कारों के साथ, और नाश होने वालों में अधर्म की हर प्रकार की धोखाधड़ी के साथ; क्योंकि उन्होंने सत्य के प्रेम को स्वीकार नहीं किया कि वे उद्धार पा सकें। और इसी कारण परमेश्वर उन पर एक प्रबल भ्रम भेजेगा, ताकि वे झूठ पर विश्वास करें, ताकि वे सब दंडित हों जिन्होंने सत्य पर विश्वास नहीं किया, परंतु अधर्म में प्रसन्नता रखी। 2 थिस्सलुनीकियों 2:3-12.

भविष्यद्वक्ता, किसी भी पहले के पवित्र इतिहास की तुलना में, अंतिम दिनों के बारे में अधिक बोलते हैं, और यह इस खंड के लिए भी सत्य है। मिलर की ज्ञान-वृद्धि की आधारशिला वही है जो 1989 में आई ज्ञान-वृद्धि की भी आधारशिला है, क्योंकि 'दैनिक' से संबंधित भविष्यसूचक इतिहास की सही समझ दानियेल ग्यारह के चालीसवें और इकतालीसवें पदों के इतिहास को स्पष्ट करती है। इसका अर्थ यह है कि यदि कोई भविष्यवाणी का विद्यार्थी पगानवाद की भूमिका और उसका पोप-प्रधान रोम से भविष्यसूचक संबंध नहीं समझता, तो वह यह पहचान नहीं पाएगा कि पापसी के उदय को पहले रोकना और फिर पापसी को पृथ्वी के सिंहासन पर बैठाना—यह कार्य पगानवाद द्वारा पूरा किया गया था; और वही कार्य प्रकाशितवाक्य तेरह के पृथ्वी से आने वाले पशु की भूमिका का प्रतिरूप है, जो पहले पापसी को रोकता है, पर बाद में बदलकर उसे पृथ्वी के सिंहासन पर बैठा देता है। प्रकाशितवाक्य तेरह के पृथ्वी से आने वाले पशु की भूमिका को अमेरिका के भविष्य के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

हम हिंदेकेल नदी के प्रकाश की मुहर खुलने पर अपनी चर्चा अगले लेख में जारी रखेंगे।

“जो ऊपर-ऊपर से नहीं, वरन् बाहरी रूप के नीचे तक देखता है, जो सब मनुष्यों के हृदयों को पढ़ता है, वह उन लोगों के विषय में, जिन्हें महान ज्योति मिली है, कहता है: 'वे अपनी नैतिक और आत्मिक दशा के कारण न दुःखित हैं और न विस्मित।' हाँ, उन्होंने अपने ही मार्ग चुन लिए हैं, और उनकी आत्मा अपनी घृणित बातों में प्रसन्न रहती है। 'इसलिए मैं भी उनके भ्रम को चुनूँगा, और जिन बातों से वे डरते हैं उन्हें उन पर ले आऊँगा; क्योंकि जब मैंने पुकारा, तब किसी ने उत्तर न दिया; जब मैंने कहा, तब उन्होंने न सुना; परन्तु उन्होंने मेरी आँखों के सामने बुराई की, और वही चुना जिससे मैं प्रसन्न न था।' 'परमेश्वर उन्हें प्रबल भ्रान्ति में पड़ने देगा, कि वे झूठ की प्रतीति करें,' क्योंकि 'उन्होंने सत्य के प्रेम को ग्रहण नहीं किया, कि उनका उद्धार हो,' 'वरन् अधर्म में प्रसन्न रहे।' यशायाह 66:3, 4; 2 थिस्सलुनीकियों 2:11, 10, 12.”

“स्वर्गीय शिक्षक ने पूछा: 'इससे बढ़कर कौन-सा भ्रम मन को भरमा सकता है कि तुम इस दिखावे में पड़े रहो कि तुम सही नींव पर निर्माण कर रहे हो और परमेश्वर तुम्हारे कार्यों को स्वीकार करता है, जबकि वास्तविकता में तुम बहुत-सी बातों में सांसारिक नीति के अनुसार काम कर रहे हो और यहोवा के विरुद्ध पाप कर रहे हो? ओह, यह एक बड़ा धोखा है, एक मोहक भ्रम, जो मनो पर अधिकार कर लेता है, जब वे लोग जिन्होंने कभी सत्य को जाना था, भक्ति के रूप को उसके आत्मा और सामर्थ्य के स्थान पर समझ बैठते हैं; जब वे यह मान लेते हैं कि वे धनी हैं, संपत्ति से बढ़ गए हैं और उन्हें किसी बात की आवश्यकता नहीं, जबकि वास्तव में उन्हें हर वस्तु की आवश्यकता है।”

“जो उसके विश्वासयोग्य सेवक अपने वस्त्र निष्कलंक रखे हुए हैं, उनके प्रति परमेश्वर नहीं बदला है। परन्तु बहुत से लोग पुकार रहे हैं, 'शान्ति और सुरक्षा,' जबकि उन पर अचानक विनाश आने वाला है। जब तक पूर्णतः पश्चात्ताप न हो, जब तक मनुष्य अंगीकार के द्वारा अपने हृदयों को दीन न करें और सत्य को जैसा वह यीशु में है

ग्रहण न करें, वे कभी स्वर्ग में प्रवेश नहीं करेंगे। जब हमारी पंक्तियों में शुद्धिकरण होगा, तब हम फिर निश्चिन्त होकर विश्राम नहीं करेंगे, यह घमण्ड करते हुए कि हम धनी हैं, और धन-सम्पत्ति से बड़े हुए हैं, और हमें किसी वस्तु की आवश्यकता नहीं।”

“कौन सत्यपूर्वक यह कह सकता है: ‘हमारा सोना आग में तपा हुआ है; हमारे वस्त्र संसार से निष्कलंक हैं?’” मैंने हमारे शिक्षक को तथाकथित धार्मिकता के वस्त्रों की ओर संकेत करते देखा। उन्हें उतारकर उसने नीचे की मलिनता को प्रकट कर दिया। तब उसने मुझसे कहा: ‘क्या तुम नहीं देख सकती कि उन्होंने किस प्रकार दिखावे के साथ अपनी मलिनता और चरित्र की सड़न को ढक रखा है? ‘विश्वासी नगर कैसे वेश्या बन गया है!’ मेरे पिता का घर व्यापार का घर बना दिया गया है, ऐसा स्थान जहाँ से दैवी उपस्थिति और महिमा विदा हो चुकी है! इसी कारण निर्बलता है, और शक्ति का अभाव है।” Testimonies, volume 8, 249, 250.